रणजीत टाइम्स

इंदौर

शुक्रवार, 6 मार्च, 2026

वर्ष 02 | अंक 61 कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

सीएम नीतीश कुमार ने राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल किया

● बोले- नई सरकार को सहयोग रहेगा, जेडीयू ऑफिस में तोड़फोड़

हर आंगन में सुख, शांति और समृद्धि के नए रंग बिखेरता है होली का उत्सव : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सभी ने हर्षोल्लास और आत्मीयता के साथ एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर दीं बधाई

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को मुख्यमंत्री निवास में आयोजित होली मिलन समारोह में प्रदेशवासियों को उत्साह, उमंग और समरसता के पावन पर्व होली की बधाई और मंगलकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह उत्सव हर आंगन में सुख, शांति और समृद्धि के नए रंग बिखेरे और समाज में सद्भाव-सकारात्मकता और एकता का रंग सदा चटक रहे यही कामना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी से आत्मीयता और सौहार्द्र के साथ त्यौहार मनाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने होली पर मुख्यमंत्री निवास पहुंचे नागरिकों के साथ होली की मंगलकामनाओं का आदान-प्रदान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास पधारे संतों से आशीर्वाद प्राप्त किया। वरिष्ठ और गणमान्य नागरिकों का अभिवादन किया तथा सभी आगंतुकों पर पुष्प वर्षा एवं गुलाल उड़ाकर मेजबान के रूप में सबका स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सांस्कृतिक प्रस्तुति देने वाले कलाकारों को गुलाल लगाया और पारम्परिक वाद्य यंत्रों के साथ उनके सुर में सुर भी मिलाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को मुख्यमंत्री निवास पधारे राज्य मंत्री श्री नरेंद्र शिवाजी पटेल, वरिष्ठ सांसद श्री विष्णु दत्त शर्मा, विधायक श्री रामेश्वर शर्मा, नगर निगम अध्यक्ष श्री किशन सूर्यवंशी, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव श्री नीरज मंडलोई, श्री मनु श्रीवास्तव, श्री शिवशेखर शुक्ला, प्रमुख सचिव श्री उमाकांत उमराव, सचिव परिवहन एवं आयुक्त जनसंपर्क श्री मनीष सिंह, खाटू श्याम मंदिर भोपाल के प्रमुख प्रचारक पूज्य अनिल आनंद महाराज सहित कई जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों, पत्रकार गण और वरिष्ठ अधिकारियों ने मंगल कामनाएं दीं।

तेजस्वी ने कहा- भाजपा ने हाईजैक किया

पटना (एजेंसी)। बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने गुरुवार को विधानसभा पहुंचकर राज्यसभा कैंडिडेट के लिए नामांकन दाखिल किया। सीएम के साथ बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन, रामनाथ ठाकुर, उपेन्द्र कुशवाहा और शिवेश कुमार ने भी नामांकन दाखिल किया। इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद रहे।

नीतीश का कार्यकाल बिहार के इतिहास में स्वर्णिम पृष्ठ के रूप में लिखा जाएगा : अमित शाह

नामांकन के बाद अमित शाह ने कहा, उनका ये कार्यकाल बिहार के इतिहास में स्वर्णिम पृष्ठ के रूप में लिखा जाएगा। बिहार के विकास के सारे मायने को उन्होंने गति देने का काम किया। उन्होंने अपने शासनकाल में बिहार को जंगलराज से मुक्त करने का काम किया। उन्होंने न केवल बिहार की सड़कों को गांव तक जोड़ा, उसकी स्थिति में भी सुधार किया।

नीतीश बोले- मेरी इच्छा थी संसद के दोनों सदनों का सदस्य बनूं

नामांकन से पहले नीतीश कुमार ने अपने एक्स पर लिखा कि, 'संसदीय जीवन शुरू करने के समय से ही मेरे मन में एक इच्छा थी कि मैं बिहार विधान मंडल के दोनों सदनों के साथ संसद के भी दोनों सदनों का सदस्य बनूं। इसी क्रम में इस बार हो रहे चुनाव में राज्यसभा का सदस्य बनना चाह रहा हूं। बिहार की नई सरकार को मेरा सपोर्ट रहेगा। नीतीश के ऐलान पर तेजस्वी यादव ने कहा है कि, बिहार में महाराष्ट्र मॉडल बीजेपी ने लागू किया है। भाजपा ने नीतीश कुमार को इतना टॉर्चर किया कि उन्हें इस्तीफा देना पड़ रहा है।

मैं नीतीश कुमार जी का स्वागत करता हूं

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, आज बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी राज्यसभा में अपना नामांकन दाखिल किया है। इसके साथ ही बहुत ही लंबे अरसे के बाद नीतीश कुमार फिर से एक बार राष्ट्रीय राजनीति में राज्यसभा सांसद के नाते प्रवेश करेंगे। 2005 से लेकर आज तक नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री रहे। उनका ये कार्यकाल बिहार के इतिहास में स्वर्णिम पृष्ठ के रूप में लिखा जाएगा और बिहार के विकास के सारे मायने को उन्होंने गति देने का काम किया। उन्होंने अपने शासन काल में बिहार को जंगलराज से मुक्त करने का काम किया।

भारत को तेल की कोई टेंशन नहीं, 9.5 मिलियन बैरल ऑयल रास्ते में है!

कैसे अमेरिका-ईरान जंग के बीच भी नहीं रुकेगी सप्लाई?

पश्चिम एशिया में ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच छिड़ी भयंकर जंग के बीच भारत की चिंताएं भी बढ़ने लगी थीं. खाड़ी देशों से आने वाले तेल और गैस की सप्लाई होर्मूज स्ट्रेट के माध्यम से ही होती है जो फिलहाल बंद है. ऐसी मुश्किल घड़ी में भारत की चिंता दूर करने के लिए दोस्त रूस एक बार फिर सामने आया है रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, रूस पश्चिम एशिया में खराब होते हालात के बीच भारत को क्रूड ऑयल की सप्लाई करने के लिए तैयार है. भारतीय तटों से नजदीक ही मौजूद जहाजों पर पहले से ही लगभग 9.5 मिलियन बैरल रूसी क्रूड ऑयल है जो कुछ हफ़्तों में ही यहां आ सकता है। रूसी अधिकारियों ने रॉयटर्स को ये भी बताया है कि अगर खाड़ी से शिपमेंट में दिक्कतें बढ़ती हैं तो रूस भारत को एनर्जी सप्लाई में मदद करने के लिए तैयार है. रूस से मदद का ये आश्वासन ऐसे समय आया है जब ईरान पर US-इज़राइली हमलों से शुरू हुई लड़ाई छठवें दिन में पहुंच गई है।

भारतीय रिफाइनर ट्रेडर्स के साथ संपर्क में हैं- ईरान-अमेरिका जंग के कारण देश को मुश्किल का सामना न करना पड़े इसलिए भारतीय रिफाइनर रूसी क्रूड ऑयल बेचने वाले ट्रेडर्स के साथ रेगुलर कॉन्टैक्ट में हैं। अभी भारतीय समंदर के नजदीक जहाजों पर लगभग 9.5 मिलियन बैरल रूसी क्रूड ऑयल है जिसे रिफाइनरियों तक पहुंचाने में ज्यादा समय नहीं लगेगा. हालांकि इस रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि रूसी तेल खरीद में कोई भी बढ़ोतरी भारत सरकार के निर्देशों पर ही निर्भर करेगी।

कच्चे तेल के दाम बढ़े

बता दें कि ईरान-अमेरिका युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमतों में 2 प्रतिशत से अधिक की तेजी दर्ज की गई है. सप्लाई पर असर पड़ने के कारण कीमतों में उछाल आया है. होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे जहाजों पर ईरान ने हमले किए हैं जिससे मुश्किल स्थिति पैदा हो गई है।

रणजीत टाइम्स
इंदौर, शुक्रवार 6 मार्च 2026

ऑनलाइन गेम ने किया पूरा परिवार खत्म, पिता और पुत्री के बाद मां भी हुई खत्म

प्रदीप सिंह बघेल

शहडोल। ऑनलाइन गेमिंग की लत ने एक हंसते-खेलते परिवार को हमेशा के लिए तबाह कर दिया। पुरानी बस्ती स्थित सत्यम वीडियो के पास 24 फरवरी की दरमियानी रात हुई इस दर्दनाक घटना में अब तीसरी मौत भी हो गई है। मेडिकल कॉलेज शहडोल में 8 दिनों तक जिंदगी और मौत से जूझने के बाद मां कल देर रात राजकुमारी ने भी दम तोड़ दिया। इससे पहले 25 फरवरी को पिता शंकर लाल गुप्ता और बेटी स्वाति गुप्ता की मौत हो चुकी थी।

मानसिक तनाव ने ली जान

जानकारी के अनुसार, कोतवाली अंतर्गत पुरानी बस्ती स्थित सत्यम वीडियो के पास रहने वाले शंकर लाल गुप्ता को ऑनलाइन BDG और एविएटर (AVIATOR) गेम की लत लग गई थी। इस दौरान वह लाखों रुपये हार गए और कर्ज के बोझ तले दबते चले गए। आर्थिक तनाव और मानसिक दबाव के चलते उन्होंने कथित तौर पर कोल्डड्रिंक में जहर मिलाकर 24 फरवरी को पहले पत्नी और बेटी को पिलाया, फिर खुद भी पी लिया।

बस बेटा ही बचा

घटना के बाद तीनों को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया। जहां पिता शंकर लाल गुप्ता और बेटी स्वाति गुप्ता ने अगले ही दिन दम तोड़ दिया, जबकि राजकुमारी का इलाज मेडिकल कॉलेज में जारी था। आठ दिन के बाद राजकुमारी भी जिंदगी की लड़ाई हार गईं और उसकी भी मौत हो गई। इस हृदय विदारक घटना के बाद परिवार में अब केवल 15 वर्षीय बेटा अनिकेत गुप्ता ही बचा है। घटना के समय वह घर पर मौजूद नहीं था, जिससे वह जहरीला पेय पीने से बच गया और उसकी जान बच गई।

प्लेटफार्म फिर सवालों के घेरे में

इस दर्दनाक हादसे ने एक बार फिर ऑनलाइन गेमिंग और सट्टा जैसे प्लेटफॉर्म्स की खतरनाक लत पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। एक गलत फैसले और लत ने पूरे परिवार को खत्म कर दिया, पीछे छोड़ गया तो सिर्फ सन्नाटा और एक मासूम बेटे का अकेलापन और सुना संसार, इस घटना ने पूरे शहर को हिला कर रख दिया है चारों तरफ सन्नाटा पसरा हुआ है।

पुरानी रंजिश के बहाने मोटरसाइकिल को किया आग के हवाले

प्रदीप सिंह बघेल

पुरानी रंजिश के चलते लोग किस हद तक निकल सकते हैं इसकी कोई सीमा नहीं है

शहडोल जिले के जयसिंहनगर थाना क्षेत्र के बेहरहा गांव में पुरानी रंजिश के चलते एक युवक की बाइक को दिनदहाड़े आग के हवाले कर दिया गया। आरोपी ने गांव के बीच पेट्रोल डालकर बाइक जला दी और मौके से फरार हो गया। घटना से कुछ देर के लिए गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है

पुलिस के अनुसार

पुलिस ने जानकारी दी कि पीड़ित युवक दीपू साकेत निवासी छिरहा थाना ब्यौहारी का रहने वाला है। होली के मौके पर वह अपने जीजा-दीदी के घर जयसिंहनगर थाना क्षेत्र के बेहरहा गांव घूमने आया हुआ था। घटना के दिन दीपू अपनी मोटरसाइकिल से गांव की एक किराना दुकान पर सामान लेने जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में आरोपी हीरालाल चौधरी अपनी बाइक से वहां पहुंच गया और दीपू को रोककर उससे विवाद करने लगा।

पीड़ित का बयान

पीड़ित के अनुसार आरोपी का विवाद कुछ दिनों पहले दीपू के जीजा और दीदी से हुआ था, जिसकी रंजिश वह मन में रखे हुए था। इसी पुराने विवाद के चलते उसने इस घटना को अंजाम दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक

आरोपी अपने साथ एक बोतल में पेट्रोल लेकर आया था। विवाद के दौरान उसने अचानक दीपू की मोटरसाइकिल पर पेट्रोल डाल दिया और आग लगा दी।

मिंटो में गाड़ी हुई खाक

बाइक में आग लगते ही लपटें तेजी से फैल गईं। दिनदहाड़े बीच गांव में हुई इस घटना को देखकर आसपास मौजूद लोग घबरा गए। ग्रामीणों ने तुरंत पानी और अन्य साधनों से आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन तब तक आग विकराल रूप ले चुकी थी और देखते ही देखते बाइक पूरी तरह जलकर खाक हो गई।

आरोपी हुआ फरार

घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। वहीं सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। जयसिंहनगर पुलिस का कहना है कि पीड़ित युवक की शिकायत पर आरोपी हीरालाल चौधरी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और उसकी तलाश की जा रही है पुलिस द्वारा पुरे मामले की जांच की जा रही है।

कलियुग में ईश्वर पाने के इच्छुक साधकों से निर्मित है सहज योग परिवार

ईश्वर को पाने की तीव्र इच्छा (दाह) ही सच्ची भक्ति है, जो निस्वार्थ प्रेम, समर्पण और निरंतर साधना से पूरी होती है। इसके लिए अहंकार त्यागकर, सांसारिक मोह कम करके, निष्काम कर्म और सेवा के माध्यम से स्वयं को शुद्ध करना आवश्यक है। यह प्रेम, ज्ञान और ध्यान का एक ऐसा मार्ग है जो अंततः ईश्वर से साक्षात्कार कराता है ईश्वर से आत्मा के इस मिलन को आत्मसाक्षात्कार कहते हैं।

सच्चा मंदिर हमारा अंतर्मन है, ईश्वर को पाना है तो अंतर्मन को शुद्ध कर आत्मा बनना होगा। आत्मा का निवास हममें है, ईश्वर की खोज बाहर नहीं, भीतर से शुरू होती है। यदि वास्तव में ईश्वर को पाना है, तो पहले अपने जीवन को इतना शुद्ध और निर्मल बनाना होगा कि उसमें ईश्वर की झलक स्पष्ट दिखाई दे। हम प्रायः ईश्वर को मंदिरों, मूर्तियों या तीर्थस्थलों तक सीमित कर देते हैं और मानते हैं कि वहीं से ईश्वर के दर्शन हो सकते हैं। यह एक आसान प्रयास है। हम ईश्वर को एक ही स्थान पर या एक ही प्रतिमा में देखना चाहते हैं और ईश्वरीय अनुभूति ना होने पर यह मान लेते हैं कि यही हमारा भाग्य है। परंतु सत्य यह है कि ईश्वर सर्वत्र हैं, हर स्थान हर जगह पर है उसे पाने के लिए यात्रा नहीं शुद्ध इच्छा करनी है, सही विधि ढूंढनी है और सही मार्गदर्शक गुरु तक पहुँचना है।

सहज योग परिवार के सदस्य इसी शुद्ध इच्छा के साथ सहज योग की सीढ़ी तक पहुँचे, जहाँ परमपूज्य श्री माताजी निर्मला देवी की ध्यान विधि ने उन्हें आत्मिक उत्थान दिया उनके लिए आत्मसाक्षात्कार का द्वार खोला। सहज योग ध्यान धारणा बहुत सहज है, सरल है और सबसे आसानी से समझ में आ जाती है। हमारे अंदर स्थित सर्पाकार कुंडलिनी शक्ति के जागृत होते ही प्रकृति के पांचों तत्वों से हमारे जुड़े रहने का ज्ञान हमें प्राप्त होता है और यही पंचतत्व हमारे सात चक्र और तीनों नाड़ियों की जागृति व संतुलन में हमारे सहायक बनते हैं। अब परमपूज्य श्री माताजी निर्मला देवी हमारी मां बन जाती है और हम स्वयं के गुरु बन जाते हैं। आत्मज्ञान पाने की आकांक्षा हमें स्वयं के गुरु पद तक पहुँचा देती है और ईश्वर के साम्राज्य की अधिकारी भी बना देती है। नियमित ध्यान धारणा सहज योग के नियम हैं। ईश्वरीय चैतन्य के हाथों से, सिर के तालु भाग से प्रवाहित होते ही हम निर्विचार अवस्था को प्राप्त करते हैं। निर्विकल्प समाधि की अवस्था में हम ब्रम्हांडीय मौन में रहते हैं, ईश्वर के साम्राज्य के साक्षी होते हैं। सहज योग परिवार से जुड़ने व ईश्वर के साम्राज्य के अधिकारी बनने हेतु सहज योग से जुड़ें। अपने नजदीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं। सहज योग सदैव निःशुल्क है।

रणजीत टाइम्स

खाड़ी देशों में रह रहे मध्यप्रदेश के नागरिकों के लिए 24×7 हेल्प डेस्क, नई दिल्ली में कंट्रोल रूम स्थापित

भोपाल। खाड़ी देशों में रह रहे मध्यप्रदेश के नागरिकों की सहायता के लिए राज्य सरकार ने नई दिल्ली स्थित मध्यप्रदेश भवन में 24म7 कंट्रोल रूम स्थापित किया है। यह व्यवस्था मौजूदा परिस्थितियों में जरूरतमंद लोगों तक त्वरित सहायता और समन्वय पहुंचाने के उद्देश्य से शुरू की गई है। 4 मार्च 2026 को जारी जानकारी के अनुसार, यह कंट्रोल रूम खाड़ी देशों में अध्ययन, नौकरी, व्यवसाय, पर्यटन या अन्य कारणों से रह रहे मध्यप्रदेश के निवासियों को सहायता उपलब्ध कराने के लिए बनाया गया है। जरूरत पड़ने पर नागरिक सीधे इस हेल्प डेस्क से संपर्क कर अपनी समस्या या स्थिति की जानकारी दे सकते हैं। सरकार के मुताबिक, यह केवल सूचना एकत्र करने की औपचारिक व्यवस्था नहीं है, बल्कि सहायता और समन्वय का सक्रिय माध्यम रहेगा। कंट्रोल रूम पर प्राप्त मामलों को आवश्यकता के अनुसार संबंधित केंद्रीय मंत्रालयों और अन्य एजेंसियों तक पहुंचाकर आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।

मध्यप्रदेश के नागरिकों के लिए विशेष सुविधा – यह व्यवस्था खास तौर पर उन नागरिकों के लिए बनाई गई है जो फिलहाल खाड़ी देशों में मौजूद हैं। ऐसी परिस्थितियों में अक्सर स्थानीय जानकारी, दस्तावेजी सहायता, संपर्क बिंदु या प्रशासनिक मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है। इसी को ध्यान में रखते हुए नई दिल्ली में एक केंद्रीय संपर्क केंद्र के रूप में यह कंट्रोल रूम शुरू किया गया है। राज्य सरकार का उद्देश्य है कि सहायता की आवश्यकता होने पर नागरिकों को स्पष्ट और एकल संपर्क बिंदु उपलब्ध रहे, जिससे वे सीधे अपनी जानकारी साझा कर सकें और सहायता प्रक्रिया शुरू हो सके।

आधिकारिक संपर्क विवरण

दूरभाष: 011-26772005
व्हाट्सऐप: 9818963273
ई-मेल: mphelpdeskgulf@gmail.com

सरकार ने खाड़ी देशों में रह रहे मध्यप्रदेश के नागरिकों से अपील की है कि आवश्यकता होने पर वे इन माध्यमों के जरिए अपनी स्थिति और जरूरी जानकारी साझा करें। कंट्रोल रूम प्राप्त जानकारी के आधार पर भारत सरकार और संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय कर सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास करेगा। 24म7 संचालन के कारण समय क्षेत्र और आपात परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए सहायता अनुरोधों पर लगातार निगरानी रखी जाएगी, ताकि जरूरतमंद नागरिकों तक समय पर मदद पहुंचाई जा सके।

एमपी में कृषि तंत्र पर सवाल

जीतू पटवारी ने पीएम मोदी को लिखा पत्र, हजारों रिक्त पद भरने की मांग

भोपाल। मध्यप्रदेश में कृषि तंत्र की स्थिति को लेकर जीतू पटवारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश की कृषि व्यवस्था सरकारी उदासीनता के कारण कमजोर हो रही है और किसानों तक योजनाओं का लाभ प्रभावी रूप से नहीं पहुंच पा रहा है। पत्र में कहा गया है कि मध्यप्रदेश को कृषि प्रधान राज्य माना जाता है, लेकिन मौजूदा स्थिति में कृषि तंत्र ही संसाधनों और कर्मचारियों की कमी से जूझ रहा है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2026 को 'कृषक कल्याण वर्ष' घोषित किया गया है, लेकिन विभागों में बड़े पैमाने पर रिक्त पद इस घोषणा को सवालों के घेरे में खड़ा करते हैं।

कृषि विभागों में बड़ी संख्या में पद रिक्त – पत्र में बताया गया है कि कृषि विभाग में स्वीकृत 14,537 पदों में से 8,468 पद खाली हैं, यानी लगभग 60 प्रतिशत पद रिक्त हैं। इसके अलावा कृषि से जुड़े अन्य विभागों में भी कर्मचारियों की कमी गंभीर स्तर पर है।

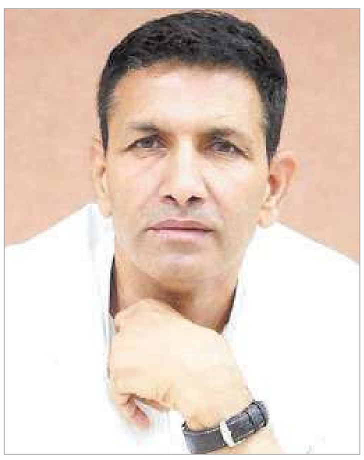

मत्स्य पालन विभाग में 1,290 में से 722 पद रिक्त
उद्यानिकी विभाग में 3,079 में से 1,459 पद खाली (लगभग 47%)
पशुपालन एवं डेयरी विभाग में 7,992 में से 1,797 पद रिक्त (करीब 22%)

सहकारिता विभाग में लगभग 35 प्रतिशत पद खाली – खाद्य तंत्र की स्थिति भी चिंताजनक बताई गई है। खाद्य संचालनालय में 109 स्वीकृत पदों के मुकाबले केवल 48 कर्मचारी कार्यरत हैं। जिलों के कार्यालयों में 598 पदों के विरुद्ध 245 कर्मचारी ही मौजूद हैं, जबकि खाद्य आयोग में 61 में से 48 पद रिक्त बताए गए हैं।

प्रधानमंत्री से की गई प्रमुख मांगें – पत्र में कहा गया है कि प्रदेश का किसान पहले से ही मौसम की अनिश्चितता, बढ़ती लागत और बाजार की अस्थिरता जैसी समस्याओं का सामना कर रहा है। ऐसे में कृषि से जुड़े विभागों में कर्मचारियों की कमी किसानों के लिए अतिरिक्त कठिनाई पैदा कर रही है। जीतू पटवारी ने प्रधानमंत्री से आग्रह किया है कि केंद्र सरकार की निगरानी में मध्यप्रदेश के कृषि और संबद्ध विभागों में रिक्त पदों की स्थिति की समीक्षा कराई जाए और भर्ती प्रक्रिया जल्द शुरू करने के लिए राज्य सरकार को निर्देश दिए जाएं। इसके साथ ही उन्होंने कृषि योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और किसानों तक सेवाओं की बेहतर पहुंच सुनिश्चित करने के लिए मैदानी स्तर पर संस्थागत क्षमता बढ़ाने की राष्ट्रीय रणनीति बनाने की भी मांग की है।

AIIMS भोपाल में महिला डॉक्टर की मौत का मामला NHRC पहुंचा, संस्थान व पुलिस से मांगी विस्तृत कार्रवाई रिपोर्ट

भोपाल। AIIMS भोपाल में महिला डॉक्टर की मौत का मामला अब राष्ट्रीय स्तर पर पहुंच गया है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने इस मामले में संज्ञान लेते हुए एम्स भोपाल, भोपाल पुलिस और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से विस्तृत कार्रवाई रिपोर्ट तलब की है। आयोग के रिकॉर्ड के अनुसार, इस मामले में शिकायत 21 जनवरी 2026 को प्राप्त हुई थी, जिसे 2 मार्च 2026 को विचार के लिए सूचीबद्ध किया गया। शिकायत में बताया गया कि एम्स भोपाल में सहायक प्रोफेसर के पद पर कार्यरत डॉ. एस.बी. वर्मा की 5 जनवरी 2026 को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि मौत से पहले डॉक्टर मानसिक दबाव और कार्यस्थल के कथित विषाक्त माहौल से गुजर रही थीं।

शिकायत में लगाए गए आरोप – शिकायत के अनुसार, ट्रॉमा और इमरजेंसी मेडिसिन विभाग के प्रमुख डॉ. मोहम्मद यूनुस के व्यवहार को लेकर संस्थान में तनावपूर्ण माहौल बना हुआ था। शिकायतकर्ता का कहना है कि डॉ. वर्मा ने अपनी मानसिक स्थिति और संस्थागत लापरवाही को लेकर कई ईमेल भी भेजे थे, लेकिन प्रशासनिक स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि अब तक इस मामले में FIR दर्ज नहीं की गई है। साथ ही यह दावा भी किया गया कि पहले महिला डॉक्टरों से जुड़ी शिकायतों को दबाने की कोशिशें हुई थीं। हालांकि इन आरोपों की पुष्टि संबंधित एजेंसियों की रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगी।

नोटिस और कानूनी प्रावधान – आयोग ने एम्स भोपाल के निदेशक, भोपाल पुलिस कमिश्नर और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सचिव को नोटिस जारी किया है। यह कार्रवाई मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 की धारा 12 के तहत की गई है, जिसके तहत आयोग सरकारी संस्थाओं से तथ्य, रिकॉर्ड और कार्रवाई की स्थिति पर रिपोर्ट मांग सकता है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि मानवाधिकारों की सुरक्षा और संवर्धन के लिए उसके पास सिविल कोर्ट जैसी जांच शक्तियां हैं, इसलिए मांगी गई रिपोर्ट तथ्यात्मक और रिकॉर्ड आधारित होनी चाहिए।

आगे की प्रक्रिया – अब अगला कदम संबंधित संस्थाओं द्वारा आयोग को सौंपी जाने वाली ATR पर निर्भर करेगा। एम्स भोपाल को यह बताना होगा कि डॉक्टर द्वारा भेजी गई शिकायतों और ईमेल पर क्या कार्रवाई की गई और संस्थान स्तर पर क्या जांच हुई। भोपाल पुलिस को एफआईआर और प्रारंभिक जांच की स्थिति स्पष्ट करनी होगी, जबकि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से संस्थागत निगरानी और शिकायत निवारण तंत्र को लेकर जवाब मांगा गया है। यह मामला केवल एक मौत की जांच तक सीमित नहीं है, बल्कि कार्यस्थल की सुरक्षा, संस्थागत जवाबदेही और महिला डॉक्टरों की शिकायतों पर समयबद्ध कार्रवाई जैसे महत्वपूर्ण सवाल भी इससे जुड़े हुए हैं। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को रिपोर्ट मिलने के बाद आयोग आगे की कार्रवाई तय करेगा।

गाने-बजाने को लेकर दो गुटों में खूनी संघर्ष, वीडियो वायरल

नर्मदापुरम। मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम में सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें दो गुटों के बीच जमकर मारपीट होती दिखाई दे रही है। जानकारी के अनुसार, यह पूरा विवाद गाने बजाने जैसी छोटी सी बात को लेकर शुरू हुआ, जिसने कुछ ही देर में हिंसक रूप ले लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक पक्ष द्वारा बजाए जा रहे गाने की आवाज को लेकर दूसरे पक्ष ने आपत्ति जताई। कहासुनी इतनी बढ़ी कि दोनों पक्ष आपा खो बैठे। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि युवक एक–दूसरे पर लात–घूसे बरसा रहे हैं। स्थिति तब और बिगड़ गई जब गुस्साए लोगों ने खाली कांच की बोतलें एक–दूसरे पर फेंकनी शुरू कर दीं। स्थानीय लोगों ने देहात पुलिस को झगड़े की सूचना दी, लेकिन पुलिस के आने से पहले ही मारपीट करने बाले लड़के मौके से फरार हो गए थे, दूसरे पक्ष को पुलिस ने थाने लेकर गई, पुलिस के अनुसार मारपीट करने वाले 3 युवकों पर मामला दर्ज किया गया है।

इंदौर में दुग्ध उत्पादक किसानों का प्रदर्शन, 6 मार्च से दूध सप्लाई प्रभावित होने की आशंका

इंदौर। शहर में दूध आपूर्ति को लेकर स्थिति तनावपूर्ण हो सकती है। दुग्ध उत्पादक किसानों ने अपनी मांगों को लेकर आरपार की लड़ाई का ऐलान करते हुए गुरुवार को इंदौर में बड़ा प्रदर्शन किया। किसानों का कहना है कि दुग्ध संघ द्वारा लागू की गई नई क्रय सूची और भुगतान प्रणाली से उन्हें आर्थिक नुकसान हो रहा है, इसलिए इसे वापस लिया जाए। किसानों ने 5 सूत्रीय मांगों के साथ आंदोलन शुरू किया है। उनकी प्रमुख मांगों में 25 और 26 सीएलआर पर की जा रही कटौती को तुरंत बंद करना, एसएनएफ के आधार पर बनाई गई नई क्रय सूची को वापस लेना और दूध का भाव 9 रुपये प्रति फैट तय करना शामिल है। इसके अलावा किसानों ने वर्ष 2019-20 से 2021-22 तक का लंबित बोनस और लाभांश भुगतान करने तथा 5 रुपये प्रति लीटर प्रोत्साहन राशि देने की मांग भी रखी है। किसानों का कहना है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। ऐसे में 6 मार्च से इंदौर शहर में दूध की आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है।

सादगी की मिसाल बने मंत्री कैलाश विजयवर्गीय : सीट नहीं मिली तो कार्यकर्ताओं के साथ जमीन पर बैठकर देखी 'शतक' फिल्म

इंदौर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर बनाई गई 'शतक' फिल्म के प्रदर्शन के दौरान मध्यप्रदेश सरकार के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का सादगीपूर्ण अंदाज देखने को मिला। वे इंदौर में आयोजित फिल्म प्रदर्शन कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं के साथ पहुंचे थे, लेकिन सभागार में

भारी भीड़ के कारण उनके लिए सीट उपलब्ध नहीं हो सकी। ऐसे में मंत्री विजयवर्गीय ने किसी तरह की विशेष व्यवस्था की मांग नहीं की और कार्यकर्ताओं के साथ ही जमीन पर बैठकर पूरी फिल्म देखी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक और भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे। संघ के 100 वर्षों की यात्रा, उसके सामाजिक योगदान और राष्ट्र निर्माण में निभाई गई भूमिका को दर्शाने के लिए 'शतक' फिल्म का विशेष प्रदर्शन रखा गया था। फिल्म को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे, जिसके कारण सभागार की सभी सीटें भर गईं। इस दौरान मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने सादगी का परिचय देते हुए कार्यकर्ताओं के बीच जमीन पर बैठकर फिल्म देखना ही उचित समझा। उनका यह व्यवहार कार्यक्रम में मौजूद लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया। कई कार्यकर्ताओं ने इसे उनके सहज और सरल स्वभाव का उदाहरण बताया।

शराब पीकर गाड़ी चलाने वाले 245 चालकों पर कार्रवाई, हथियार लेकर घूम रहे 5 लोग गिरफ्तार

इंदौर। होली के त्योहार को देखते हुए इंदौर पुलिस कमिश्नरेट ने शहर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरती और व्यापक चेकिंग अभियान चलाया। पुलिस ने शहर के सभी प्रमुख चौराहों, सड़कों और संवेदनशील क्षेत्रों में सख्त निगरानी रखी। 32 थाना क्षेत्रों में पुलिस की विशेष टीमों ने एरियल सर्विलांस, सीसीटीवी कैमरों और मोबाइल पेट्रोलिंग के जरिए लगातार स्थिति पर नजर बनाए रखी। त्योहार के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या हुड़दंग को रोकने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने भी सड़कों पर सघन जांच अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान पुलिस ने शराब पीकर वाहन चलाने वाले 245 वाहन चालकों के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत चालानी कार्रवाई की। पुलिस ने ब्रेथ एनालाइजर की मदद से संदिग्ध वाहन चालकों की जांच की और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर तुरंत कार्रवाई की। शहर के कई प्रमुख चौराहों पर देर रात तक चेकिंग अभियान जारी रहा, जिससे नियम तोड़ने वालों में हड़कंप की स्थिति देखी गई। इसी दौरान पुलिस ने हथियार लेकर घूम रहे 5 लोगों को भी हिरासत में लिया। इनमें से एक आरोपी थाना द्वारकापुरी क्षेत्र में झगड़े की सूचना मिलने पर तलवार लेकर मौके पर पहुंच गया था, जिसे पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए पकड़ लिया। सभी आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। इसके अलावा अवैध शराब के खिलाफ भी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक्साइज एक्ट के तहत 56 मामले दर्ज किए हैं। पुलिस ने अवैध रूप से शराब की सप्लाई करने और उसे इधर-उधर ले जाने वाले लोगों को भी पकड़ा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि त्योहार के दौरान शहर की शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह अभियान चलाया गया था और आगे भी इसी तरह की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि शहर में शांति और सुरक्षा का माहौल बना रहे।

इंदौर-दाहोद रेल परियोजना में तेजी, इंदौर-धार रेलखंड का 80% से अधिक कार्य पूरा

इंदौर। बहुप्रतीक्षित इंदौर-दाहोद रेल परियोजना के तहत इंदौर-धार रेलखंड पर कार्य तेज गति से जारी है। रेलवे स्टेशन निर्माण और ट्रैक बिछाने का 80 प्रतिशत से अधिक काम पूरा हो चुका है। अधिकारियों के अनुसार पीथमपुर के पास स्थित टीही सुरंग में फिनिशिंग और पटरी बिछाने का कार्य पूरा होते ही इंदौर से धार के बीच करीब 55 किलोमीटर लंबा ट्रैक तैयार हो जाएगा, जिसके बाद इस मार्ग पर जल्द ही ट्रायल रन प्रस्तावित है। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि धार रेलवे स्टेशन का निर्माण कार्य भी लगभग 80 प्रतिशत पूरा हो चुका है। स्टेशन पर तीन प्लेटफॉर्म बनाए जा रहे हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए वेटिंग रूम, टिकट घर, एक प्लेटफॉर्म से दूसरे तक पहुंचने के लिए अंडरग्राउंड मार्ग, पानी की टंकी तथा इलेक्ट्रॉनिक पोल लगाने का कार्य प्रगति पर है। यदि शेष कार्य तय समयसीमा में पूर्ण हो जाता है, तो ट्रायल रन के साथ ही इंदौर-धार रेलखंड क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

जुआ खेलते 8 आरोपी पकड़े, आबकारी व आर्म्स एक्ट में भी प्रकरण दर्ज

इंदौर। थाना द्वारकापुरी पुलिस ने क्षेत्र में सख्त कार्रवाई करते हुए कई आरोपियों के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किए हैं। पुलिस द्वारा शुभम सावले, राहुल जाधव और साहिल सावले के विरुद्ध आबकारी एक्ट के तहत

अलग-अलग प्रकरण दर्ज किए गए हैं, जबकि मनोज पंवार के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्रवाई की गई है। इसके अलावा ड्रोन के माध्यम से निगरानी के दौरान दिग्विजय मल्टी की छत पर जुआ खेलते हुए 8 लोगों को रंगे हाथों पकड़ा गया। पुलिस ने मौके से 6 हजार 400 रुपये नगद जब्त कर सभी आरोपियों के खिलाफ सार्वजनिक जुआ एक्ट के तहत कार्रवाई की। पकड़े गए आरोपियों में विक्रम डावर, सुनील जाट, सन्नी राठौर, सोहन सीताराम, मंशाराम भील, रोहित शिवा, पंकज राठौर और जीवन डावर शामिल हैं। द्वारकापुरी पुलिस ने स्पष्ट किया है कि त्योहारों के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सख्त निगरानी की जा रही है और शांति भंग करने या अवैध गतिविधियों में लिप्त पाए जाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

इंदौर के बाद भोपाल मेट्रो भी यात्रियों के इंतजार में: रोजाना लाखों का खर्च, टिकटों से दस हजार भी नहीं हो रही कमाई

इंदौर। मध्यप्रदेश के दो बड़े शहरों इंदौर और भोपाल में शुरू की गई मेट्रो सेवा फिलहाल यात्रियों के अभाव से जूझती नजर आ रही है। करोड़ों रुपये की लागत से तैयार किए गए प्रायोरिटी कॉरिडोर पर मेट्रो का संचालन शुरू तो कर दिया गया, लेकिन यात्रियों की संख्या उम्मीद के मुताबिक नहीं बढ़ पा रही है। स्थिति यह है कि रोजाना संचालन पर लगभग आठ लाख रुपये तक का खर्च आ रहा है, जबकि टिकटों की बिक्री से दस हजार रुपये भी नहीं जुट पा रहे हैं। ऐसे में मेट्रो कॉर्पोरेशन को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। सबसे पहले इंदौर में लगभग छह किलोमीटर के प्रायोरिटी कॉरिडोर पर मेट्रो का व्यावसायिक संचालन शुरू किया गया था। इसके कुछ समय बाद भोपाल में भी मेट्रो सेवा शुरू कर दी गई। शुरुआत के दिनों में लोगों को मेट्रो की सवारी के लिए मुफ्त यात्रा की सुविधा दी गई थी। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग मेट्रो में सफर करने पहुंचे और शहर में मेट्रो को लेकर उत्साह भी देखने को मिला। लेकिन जैसे ही टिकट व्यवस्था लागू हुई, यात्रियों की संख्या लगातार कम होती चली गई। अब हालत यह है कि कई ट्रिप में मेट्रो लगभग खाली ही दौड़ रही है। मेट्रो कॉर्पोरेशन के अधिकारियों के अनुसार अब तक बिजली, स्टाफ और अन्य संचालन संबंधी खर्चों पर छह करोड़ रुपये से अधिक की राशि खर्च हो चुकी है। इसके बावजूद टिकटों से होने वाली आय बेहद कम है। विशेषज्ञों का मानना है कि मेट्रो के शुरुआती रूट अभी शहर के प्रमुख आवागमन केंद्रों से पूरी तरह नहीं जुड़ पाए हैं, जिसके कारण लोगों को इसका अधिक लाभ नहीं मिल पा रहा है।

इंदौर में मेट्रो परियोजना के तहत लगभग 17 किलोमीटर लंबे ट्रैक पर अगले कुछ महीनों में मेट्रो दौड़ाने की तैयारी भी चल रही है। हालांकि आशंका जताई जा रही है कि यदि रूट शहर के मुख्य बाजारों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों से नहीं जुड़े तो यहां भी यात्रियों की संख्या कम ही रह सकती है। दूसरी ओर परियोजना की लागत भी लगातार बढ़ती जा रही है। इंदौर मेट्रो के एलिवेटेड और अंडरग्राउंड रूट को लेकर लंबे समय से अनिर्णय की स्थिति बनी हुई है। इसी कारण कई कार्य समय पर पूरे नहीं हो सके। खजराना चौराहे से आगे मेट्रो को अंडरग्राउंड करने का प्रस्ताव तैयार किया गया है, लेकिन अभी तक इसे कैबिनेट की बैठक में अंतिम मंजूरी नहीं मिल सकी है। फिलहाल ठेकेदार कंपनी को निर्देश दिए गए हैं कि वह रोबोट चौराहा से खजराना चौराहे तक एलिवेटेड कॉरिडोर का काम पूरा करे और उसके बाद आगे का निर्माण अंडरग्राउंड योजना के अनुसार किया जाए। प्रस्तावित अंडरग्राउंड रूट खजराना चौराहे से शुरू होकर पलासिया, एमजी रोड, रीगल, राजवाड़ा और बड़ा गणपति होते हुए एयरपोर्ट तक पहुंचेगा।

ईरान-इजरायल संघर्ष से हवाई सेवाएं बुरी तरह प्रभावित

चार दिनों में 1500 से ज्यादा उड़ानें रद्द; DGCA ने जारी की हाई-रिस्क जोन एडवायजरी

नई दिल्ली। मध्य पूर्व में जारी Iran–Israel conflict का असर अब वैश्विक हवाई सेवाओं पर भी साफ दिखाई देने लगा है। क्षेत्र में बढ़ते सैन्य तनाव के कारण कई देशों ने अपने एयरस्पेस बंद कर दिए हैं, जिससे अंतरराष्ट्रीय उड़ानें बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। पिछले चार दिनों में 1500 से अधिक उड़ानें रद्द हो चुकी हैं, जिसके चलते लाखों यात्री अलग-अलग देशों के हवाई अड्डों पर फंस गए हैं और एयरलाइंस कंपनियों को अपने संचालन में बड़े बदलाव करने पड़े हैं। दरअसल, ईरान पर अमेरिका और इजरायल के संयुक्त हमलों के बाद पूरे पश्चिम एशिया में अस्थिरता बढ़ गई है। इस संकट के चलते कई देशों ने सुरक्षा कारणों से अपने एयरस्पेस को अस्थायी रूप से बंद कर दिया है। इसका सीधा असर भारत से खाड़ी देशों और यूरोप जाने वाली उड़ानों पर भी पड़ा है। स्थिति को देखते हुए भारत सरकार और एयरलाइंस कंपनियां फंसे हुए यात्रियों को निकालने के लिए विशेष उड़ानों का संचालन कर रही हैं।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अनुसार मंगलवार तक भारतीय एयरलाइंस की कुल 1,221 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द की जा चुकी थीं, जबकि विदेशी एयरलाइंस की 388 उड़ानों को भी रद्द करना पड़ा। इस प्रकार कुल मिलाकर चार दिनों में लगभग 1,600 के आसपास उड़ानें प्रभावित हुई हैं। यात्रियों की परेशानी को कम करने के लिए बुधवार को भारतीय एयरलाइंस ने 58 विशेष उड़ानें संचालित करने की योजना बनाई। इनमें से लगभग 30 उड़ानें IndiGo द्वारा संचालित की जा रही हैं, जबकि शेष उड़ानें Air India और Air India Express द्वारा चलाई जा रही हैं।

बुजुर्गों को करायी जाएगी कामाख्या देवी की नि:शुल्क तीर्थ यात्रा,मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत आवेदन की अंतिम तिथि 16 मार्च

रणजीत टाईम्स

इंदौर। इंदौर जिले के बुजुर्गों को मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत प्रसिद्ध तीर्थ कामाख्या देवी की नि:शुल्क यात्रा करायी जाएगी। यात्रा के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। चयनित बुजुर्गों की यात्रा का सभी खर्च राज्य शासन द्वारा वहन किया जाएगा। यात्रा के लिए 16 मार्च तक स्थानीय निकाय में आवेदन जमा किए जा सकते हैं। तीर्थ यात्रियों की विशेष ट्रेन कामाख्या देवी तीर्थ के लिए 29 मार्च रविवार को इंदौर से रवाना होगी तथा यह ट्रेन 03 अप्रैल को वापस आएगी। इस तीर्थ यात्रा से कुल 279 बुजुर्ग लाभान्वित होंगे। तीर्थ यात्रा में जाने वाले यात्रियों के लिए आवश्यक शर्तें: मध्यप्रदेश का मूल निवासी जिनकी आयु 60 वर्ष से अधिक हो और वह आयकरदाता न हो। साथ ही इस योजना के अंतर्गत पूर्व में कोई भी तीर्थ यात्रा न की हो। यात्रा के लिए नगर निगम क्षेत्र में झोनल कार्यालय और ग्रामीण क्षेत्रों में संबंधित नगरीय निकाय अथवा जनपद पंचायत कार्यालय में आवेदन किए जा सकते हैं।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने विपरीत परिस्थितियों में समाधान की राह निकाली है : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मध्य पूर्व एशिया में युद्ध की स्थिति में मध्यप्रदेश के निवासियों की सहायता के लिए विशेष व्यवस्थाएं

रणजीत टाईम्स

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्य पूर्व एशिया खाड़ी युद्ध की स्थिति पर मध्य प्रदेश के नागरिकों की सहायता के लिए महत्वपूर्ण व्यवस्थाएं की गई हैं। इसके लिए विशेष कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। मध्यप्रदेश शासन इस बारे में संवेदनशील है। गृह विभाग, मध्यप्रदेश शासन और नई दिल्ली में आवासीय आयुक्त कार्यालय मध्य प्रदेश भवन की टीम तैनात है। सीएम हेल्पलाइन 181 नंबर पर परिजन से प्राप्त हो रही सूचनाओं को गंभीरता से लिया जा रहा है। सभी का पंजीयन और रिकॉर्ड भी रखा जा रहा है। भारत शासन के विदेश मंत्रालय से समन्वय स्थापित कर नागरिकों को सुरक्षित वापस स्वदेश बुलवाने की व्यवस्था की गई है। इस अवधि में नागरिकों के लिए भोजन और अन्य व्यवस्थाओं की चिंता की जा रही है। परिजनों से भी संवाद स्थापित किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया

कि नई दिल्ली में स्थापित कंट्रोल रूम का दूरभाष नंबर 011-26772005, व्हाट्सऐप नम्बर - 9818963273 और ईमेल आईडी - mphelpdeskgulf@gmail.com है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सक्षम नेतृत्व में भारत सरकार ने पूर्व में भी ऐसी विपरीत परिस्थितियों में समाधान की राह निकाली है। केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह भी संपूर्ण स्थिति पर नजर रखते हुए समीक्षा कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय सहित सभी संबंधित मंत्रालय भी गतिशील हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार मध्य पूर्व एशिया में युद्ध की परिस्थितियों के संबंध में पूर्ण सजग और संवेदनशील है। मध्यप्रदेश सरकार के प्रयासों के अच्छे परिणाम भी आ रहे हैं। लगभग 50 परिवारों द्वारा पंजीयन करवाया गया है। मेरा यही अनुरोध है कि सीएम हेल्पलाइन एवं नई दिल्ली स्थित कंट्रोल रूम पर नागरिक संपर्क कर सकते हैं। यह चुनौती अवश्य है लेकिन कठिन कार्य नहीं है। इस चुनौती का हम समुचित ढंग से सामना कर हल निकल रहे हैं। कृपया इस व्यवस्था पर विश्वास बनाए रखें और अपनी कठिनाइयों के लिए हेल्पलाइन पर अवगत करवाने का कष्ट करें और अपना जीवन सुरक्षित करें। सेफ रहें और एक रहें।

रंगपंचमी की गेर की तैयारियां तेज

तिरपाल से ढके गए इंदौर के राजवाड़ा और गोपाल मंदिर

इंदौर। होली के बाद अब इंदौर में रंगपंचमी की ऐतिहासिक गेर को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। शहर के प्रमुख ऐतिहासिक स्थलों को सुरक्षित रखने के लिए प्रशासन ने विशेष इंतजाम शुरू कर दिए हैं। इसी कड़ी में शहर के प्रमुख आकर्षण राजवाड़ा और गोपाल मंदिर को तिरपाल से ढक दिया गया है,

रंगपंचमी की गेर के दौरान उड़ने वाले रंग, गुलाल और पानी से इमारतों को नुकसान न पहुंचे। दरअसल इंदौर में रंगपंचमी के दिन निकलने वाली गेर देशभर में प्रसिद्ध है। इस दौरान टनों रंग, गुलाल और पानी का उपयोग किया जाता है। इसी को ध्यान में रखते हुए नगर निगम और प्रशासन ने ऐतिहासिक इमारतों की सुरक्षा के लिए उन्हें पहले से ही तिरपाल से कवर करना शुरू कर दिया है।

शहर के मध्य क्षेत्र से निकलने वाली परंपरागत गेर के लिए हर साल की तरह इस बार भी बड़ी संख्या में लोग जुटने वाले हैं। गेर का मार्ग सीतलामाता बाजार, गोराकुंड, खजूरी बाजार, राजबाड़ा और जवाहर मार्ग से होकर गुजरता है। गेर देखने के लिए प्रशासन द्वारा आठ अलग-अलग स्थानों पर छतों पर बैठने की व्यवस्था भी की जा रही है, जहां लगभग 200 से अधिक लोगों के बैठने की सुविधा रहेगी। इन स्थानों की बुकिंग भी पिछले साल की तरह ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से शुरू की जाएगी। हर साल बड़ी संख्या में लोग इंदौर और आसपास के क्षेत्रों के साथ-साथ अन्य शहरों से भी इस भव्य आयोजन को देखने पहुंचते हैं।

रंगपंचमी को ध्यान में रखते हुए पुलिस और प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को भी सख्त कर दिया है। गेर मार्ग पर कई स्थानों पर वॉच टॉवर लगाए जा रहे हैं और सीसीटीवी कैमरों के जरिए पूरे आयोजन की निगरानी की जाएगी। साथ ही लाउड स्पीकर की व्यवस्था भी की गई है ताकि भीड़ को नियंत्रित किया जा सके और आवश्यक घोषणाएं की जा सकें। नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने रविवार सुबह टॉरी कॉर्नर से लेकर पूरे गेर मार्ग का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मार्ग की स्थिति, जर्जर भवनों और संभावित भीड़ को देखते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। आयुक्त ने कहा कि जहां जरूरत हो वहां बैरिकेडिंग, चेतावनी बोर्ड और सुरक्षा इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं, ताकि आम लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। इसके साथ ही निगम ने गेर मार्ग पर विशेष सफाई व्यवस्था, पेयजल उपलब्धता और भीड़ प्रबंधन के लिए भी निर्देश जारी किए हैं। गेर समाप्त होने के बाद हर साल की तरह इस बार भी सफाई मित्रों और मशीनों की मदद से कुछ ही घंटों में राजबाड़ा और आसपास के पूरे क्षेत्र की सफाई कर दी जाएगी, ताकि शहर की स्वच्छता व्यवस्था बनी रहे। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने सिलावटपुरा और मुंबई बाजार क्षेत्र में सफाई व्यवस्था का भी जायजा लिया। यहां सफाई कार्य संतोषजनक नहीं मिलने पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को फटकार लगाई और वार्ड 68 के दरोगा तथा सहायक दरोगा को तत्काल कार्य से हटाने के निर्देश भी दिए।

बनारस के घाटों से लेकर लद्दाख की वादियों तक चली पिचकारी

देशवासियों ने धूमधाम से मनाया रंगोत्सव

नई दिल्ली, एजेंसी। फाल्गुन पूर्णिमा पर रंगों का पर्व होली पूरे देश में हर्ष, उल्लास और आपसी सद्भाव के साथ मनाया गया। सुबह से ही मंदिरों में पूजा-अर्चना, गलियों में गुलाल और चौपालों पर गीत-संगीत की धूम रही। शहरों से लेकर गांवों तक लोग रंगों में सराबोर दिखे। कई स्थानों पर प्रशासन ने शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष इंतजाम किए, ताकि त्योहार सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हो सके। राष्ट्रीय राजधानी में श्रद्धालुओं ने दर्शन-पूजन कर होली की शुरुआत की। दिल्ली में युवाओं से लेकर बड़े-बुजुर्गों तक होली का गजब उत्साह दिखा। पश्चिम विहार समेत विभिन्न इलाकों में सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए। पुलिस आयुक्त सतीश गोलचा ने मौके पर पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया और ड्यूटी पर तैनात कर्मियों का उत्साह बढ़ाया। इस बार होली पर दिल्ली में शराब की दुकानें खुली रहीं। महिपालपुर सहित कई स्थानों पर दुकानों के बाहर भीड़ देखी गई। कुछ स्थानीय लोगों ने पुराने समय का हवाला देते हुए कहा कि पहले होली पर दुकानें बंद रहती थीं, जबकि इस बार व्यवस्था अलग रही। धर्मिक नगरी के घाटों पर देश-विदेश से आए लोगों ने रंगों के बीच नृत्य और संगीत का आनंद लिया। सुरक्षा व्यवस्था के बीच पूरा क्षेत्र उत्सव में डूबा रहा। वहीं में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में

युवाओं ने उत्साह के साथ रंग खेला। होली पर देश के अलग-अलग हिस्सों में लोग अपने अलग अंदाज में रंगोत्सव मनाते दिखे। गुजरात के में लोगों ने एक-दूसरे पर सब्जियां फेंककर विशेष अंदाज में होली मनाई। तो वहीं राजस्थान में अंतराष्ट्रीय होली उत्सव के दौरान हजारों देशी-विदेशी पर्यटक रंगों में झूमते दिखे। विदेशी मेहमानों ने यहां के उत्सव को यादगार और सुरक्षित बताया। श्रद्धालुओं ने नृत्य, संगीत और गुलाल के साथ होली मनाई। वहीं मध्य प्रदेश के देवास में माली समाज ने भव्य शोभायात्रा निकाली, जबकि केंद्रीय कारागार में अधिकारियों ने बंदियों के साथ रंग खेलकर सौहार्द का संदेश दिया। देश के अलग-अलग राज्यों में लोगों के जश्न के बीच सीमाओं पर भी होली की धूम दिखी। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले के चंदरकोट में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की 84वीं बटालियन ने जवानों और उनके परिवारों के साथ उत्साहपूर्वक होली मनाई। वहीं लद्दाख के पैंगोंग झील क्षेत्र में भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के जवानों ने स्थानीय लोगों के साथ रंगों का त्योहार मनाकर एकता और उमंग का संदेश दिया। पटना में जनशक्ति जनता दल के प्रमुख ने कार्यकर्ताओं के साथ होली मनाई और भाईचारे का आह्वान किया। उन्होंने देश और दुनिया में शांति की कामना करते हुए कहा कि होली के बाद उनकी पार्टी बिहार यात्रा शुरू करेगी। इस बीच कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी मुख्यालय में कार्यकर्ताओं के साथ रंग खेला। तो वहीं हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ने शिमला स्थित अपने आवास पर होली मनाई। रंगों का यह पर्व एक बार फिर देश की विविधता और एकता का प्रतीक बना। परंपरा, उत्साह और सुरक्षा के संतुलन के साथ होली 2026 ने आपसी प्रेम और सौहार्द का संदेश दिया।

पार्टी को एक राज्यसभा सीट भी आवंटित की गई है

तमिलनाडु चुनाव से पहले फैसला, कांग्रेस और डीएमके में सीट बंटवारे पर मुहर

नई दिल्ली, एजेंसी। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 के लिए डीएमके ने कमर कस ली है। द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) ने तमिलनाडु में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए बुधवार को सीट बंटवारे को अंतिम रूप देते हुए कांग्रेस को 28 सीट आवंटित की। इसके अलावा पार्टी को एक राज्यसभा सीट भी आवंटित की गई है। बताया जा रहा है कि तमिलनाडु में सत्ता के बंटवारे और सीटों की संख्या को लेकर पैदा हुए लंबे गतिरोध को देखते हुए वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम के हस्तक्षेप के बाद सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और कांग्रेस ने बुधवार रात राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए सीटों के बंटवारे के समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए।

एक राज्यसभा सीट आवंटित की गई है। समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद तमिलनाडु प्रदेश कांग्रेस समिति (टीएनसीसी) के अध्यक्ष के सेल्वापेरुन्थागाई ने संवाददाताओं को यह जानकारी दी। ऐसा भी माना जा रहा है कि डीएमके ने 2028 में एक राज्यसभा सीट देने का वादा किया है, हालांकि दोनों दलों द्वारा इसकी आधिकारिक पुष्टि या घोषणा नहीं की गई है। राज्य विधानसभा से राज्यसभा चुनावों के लिए नामांकन दाखिल करने के अंतिम दिन की पूर्व संध्या पर पिछले दो दिनों में हुई गहन चर्चा के बाद इस समझौते को अंतिम रूप दिया गया। डीएमके अध्यक्ष एम के स्टालिन और सेल्वापेरुन्थागाई के बीच हस्ताक्षरित समझौते के तहत कांग्रेस को 28 विधानसभा सीटें और एक राज्यसभा सीट मिली है। कांग्रेस किन निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ेगी, इसकी पहचान अगले दौर की बातचीत में की जाएगी। दोनो दल राज्यसभा उम्मीदवारों का नामांकन गुरुवार को दाखिल करेंगे। सेल्वापेरुन्थागाई ने कहा

कि कांग्रेस जल्द ही राज्यसभा उम्मीदवार की घोषणा करेगी और पार्टी इस समझौते से पूरी तरह संतुष्ट एवं खुश है। कांग्रेस द्वारा 39 विधानसभा और दो राज्यसभा सीटों की मांग पर अड़े रहने के कारण संबंधों में तनाव आ गया था। हालांकि, अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के अनुरोध पर पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम ने हस्तक्षेप किया और मंगलवार को स्टालिन के साथ बातचीत की, जिसका मुख्य केंद्र बिंदु भारतीय जनता पार्टी (भ्रष्ट्रक) को हराना था। इसके बाद डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन ने अंततः 28 सीटें और एक राज्यसभा सीट देने पर सहमति व्यक्त की। डीएमके ने मंगलवार रात अपने नए सहयोगी, दिवंगत अभिनेता-राजनेता विजयकांत की पार्टी देशिया मुरपोक्कु द्रविड़ कषगम (डीएमडीके) को एक राज्यसभा सीट आवंटित की थी।

सुप्रीम कोर्ट की जज बोलीं- सत्ता में बैठे लोगों की चिंता न करें, सही फैसले लें

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट जज बीवी नागरत्ना ने न्यायाधीशों को अपने फैसले पर अड़े रहने की सलाह दी है। उन्होंने कहा है कि किसी भी दबाव में सही फैसला लेने से संकोच नहीं करना चाहिए। वह केरल उच्च न्यायालय में आयोजित दूसरे टीएस कृष्णमूर्ति अय्यर मेमोरियल लेक्चर में बोल रहीं थीं। इससे पहले उन्होंने मीडिया को लेकर भी ऐसी ही बात कही थी। उन्होंने कहा था कि किसी भी तरह की बाधा, भय या प्रभाव में मीडिया अपनी भूमिका नहीं निभा सकता है। मंगलवार को जस्टिस नागरत्ना ने कहा, 'जजों को सही फैसला लेने से संकोच नहीं करना चाहिए। फिर चाहे इसकी वजह से उनकी उन्नति ही क्यों न रुक जाए या सत्ता में बैठे लोग नाराज हो जाएं।' उन्होंने कहा, 'एक जज को राजनीतिक दबाव, संस्थागत धमकी या पॉपुलर डिमांड से मुक्त ही रहना

चाहिए।' शुक्रवार को जस्टिस नागरत्ना आईपीआई इंडिया अवार्ड फॉर एक्सीलेंस इन जर्नलिज्म 2025 के सम्मान समारोह में पहुंचीं थीं। उन्होंने कहा था कि प्रेस पर कब्जा करने के हालिया प्रयासों के पीछे न केवल आर्थिक आधार हैं बल्कि राजनीतिक पहलू भी शामिल हैं। खास बात है कि जस्टिस नागरत्ना सितंबर 2027 में भारत की पहली महिला प्रधान न्यायाधीश बनेंगी। जब वह किसी भी तरह के डर या दबाव से मुक्त हो। उन्होंने कहा कि आज के दौर में प्रेस की आदी को सबसे बड़ा खतरा सीधे तौर पर लगने वाली पाबंदियों (सेंसरशिप) से नहीं है। बल्कि, असली खतरा आर्थिक नीतियों, लाइसेंस देने के कड़े नियमों और मीडिया कंपनियों के मालिकाना हक से जुड़ा है।

तमिलनाडु की 500 साल पुरानी कांस्य प्रतिमा की घर वापसी, ऑक्सफोर्ड के संग्रहालय ने पूरी की प्रक्रिया

16वीं शताब्दी की कांस्य प्रतिमा भारत को वापस लौटाने की तैयारी में है

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्रिटेन के ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के एशमोलियन संग्रहालय तमिलनाडु के एक प्राचीन मंदिर से चुराई गई 16वीं शताब्दी की कांस्य प्रतिमा भारत को वापस लौटाने की तैयारी में है। यह प्रतिमा दक्षिण भारतीय हिंदू संत तिरुमंगाई अलवार (थिरुमंगाई अलवार) की है, जो तमिलनाडु के थाडिकोम्बु गांव स्थित श्री सौंदरराज पेरुमल मंदिर की मूल पूजनीय वस्तु थी। प्रतिमा की ऊंचाई 57.5 सेंटीमीटर है और यह ठोस कांस्य से बनी हुई है। एशमोलियन संग्रहालय ने 1967 में सोथबीज़ नीलामी घर से डॉ. जे.आर. बेलमोंट (1886-1981) के निजी संग्रह से यह प्रतिमा खरीदी थी। उस समय इसकी उत्पत्ति के बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं थी। हालांकि, नवंबर 2019 में एक स्वतंत्र फ्रांसीसी शोधकर्ता ने संग्रहालय को सूचित किया कि 1957 में ली गई एक तस्वीर में यही प्रतिमा थाडिकोम्बु के सौंदरराज पेरुमल मंदिर में मौजूद थी। इस खुलासे के बाद संग्रहालय ने इसकी जांच शुरू की। 11 फरवरी 2020 को मंदिर के एक कार्यकारी

अधिकारी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि मूल प्रतिमा की जगह एक आधुनिक प्रतिकृति स्थापित कर दी गई है। इसके बाद भारतीय उच्चायोग ने 3 मार्च 2020 को औपचारिक दावा पेश किया। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अनुरोध पर संग्रहालय ने कांस्य की धातु का वैज्ञानिक विश्लेषण कराया और उत्पत्ति की पुष्टि की। मार्च 2024 में ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय की परिषद ने वापसी के दावे का समर्थन किया और चारिटी कमीशन की मंजूरी के बाद प्रतिमा को भारत को सौंप दिया गया। लंदन में भारतीय उच्चायोग (इंडिया हाउस) में एक औपचारिक समारोह में प्रतिमा का हस्तांतरण किया गया, जिसमें एशमोलियन संग्रहालय की निदेशक डॉ. ज़ा स्टर्गिस और पूर्वी कला विभाग की प्रमुख प्रोफेसर मलिका कुम्बेरा लैंड्स मौजूद थीं। डॉ. ज़ा स्टर्गिस ने कहा, ÷इस महत्वपूर्ण वस्तु को भारत में वापस लाकर एशमोलियन संग्रहालय बेहद प्रसन्न है। हम भारतीय अधिकारियों, विद्वानों और शोधकर्ताओं के आभारी हैं जिन्होंने इसकी उत्पत्ति का पता लगाने में मदद की। संग्रहालय और विश्वविद्यालय नैतिक संग्रह प्रथाओं, वस्तुओं की उत्पत्ति और इतिहास पर निरंतर शोध के लिए प्रतिबद्ध हैं।÷ यह वापसी भारतीय विरासत की वस्तुओं को उनके मूल स्थान पर लौटाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। तमिलनाडु पुलिस के आइडल विंग और एएसआई ने इस प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पश्चिम एशिया संकट- हिंद महासागर में अमेरिका ने डुबोया ईरानी युद्धपोत, बढ़ता टकराव भारत के लिए चिंताजनक कैसे?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच जारी संघर्ष ने खाड़ी देशों के साथ दुनियाभर की चिंता बढ़ा दी है। ऐसे में अब इसका असर भारत पर कैसे पड़ने वाला है? यह सवाल आज इसलिए उठ रहा है, क्योंकि अमेरिकी पनडुब्बी ने हिंद महासागर में ईरानी युद्धपोत आईआरआईएस देना को टॉरपीडो से ध्वस्त कर दिया। ईरान के इस युद्धपोत का तार भारत के साथ कैसे जुड़ा है और यह घटना भारत के सामरिक और समुद्री हितों को खतरे में कैसे डाल सकती है? आइए यहां समझते हैं। दुनिया की राजनीति अब अत्यधिक खतरनाक मोड़ पर पहुंच गई है। इसका कारण है कि अमेरिका और इस्राइल का ईरान पर किए गए हमले और फिर ईरान की ओर से जवाबी कार्रवाई ने खाड़ी देशों के साथ-साथ दुनियाभर की राजनीति में चिंता पैदा कर दी है। इस आधार पर यह कहना गलत नहीं होगा कि इस युद्ध की आग से

उठे लपटें ने सिर्फ पश्चिम एशिया ही नहीं, बल्कि दक्षिण एशिया और अब भारतीय महासागर के पानी में भी उबाल आ गया है। तनाव इतना बढ़ चुका है कि एक अंतरराष्ट्रीय शक्ति ने टॉरपीडो तक चलाकर अपनी ताकत दिखा दी, जिससे भारत में चर्चा तेज हो गई है। आइए जानते हैं कि पश्चिम एशिया का युद्ध अब भारत के दरवाजे तक पहुंच गया? पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच अमेरिकी पनडुब्बी ने बुधवार को अंतरराष्ट्रीय जल में ईरानी युद्धपोत आईआरआईएस देना को टॉरपीडो से निशाना बनाया और ध्वस्त कर दिया। इस हमले से जहाज का मुख्य ढांचा टूट गया, जिससे बचाव दल को कोई जहाज नहीं मिला। गौर करने वाली बात यह है कि यह अमेरिका की द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पहली टॉरपीडो से युद्धपोत पर किया गया हमला है। भारत में आंध्र प्रदेश के विशाखापटनम के विजाग से लौट रही थी, जहां उसने मिलान अंतराष्ट्रीय नौसैनिक अभ्यास और बंगाल की खाड़ी में अंतराष्ट्रीय नौसैनिक रिव्यू में हिस्सा लिया था।

● खाड़ी देशों की पहली आपात बैठक से यूएई भी जुड़ा

पश्चिम एशिया में शांति कब-कैसे चीन विशेष मध्यस्थता दूत भेजेगा

दुबई, एजेंसी। पश्चिम एशिया इस समय विस्फोटक हालात से गुजर रहा है। अमेरिका-इस्राइल और ईरान की टकराहट ने पूरे क्षेत्र को युद्ध की दहलीज पर ला खड़ा किया है। तनाव इतना बढ़ गया कि खाड़ी देशों को पहली बार आपात बैठक करनी पड़ी, जिसमें यूएई भी शामिल हुआ। वहीं चीन ने भी साफ कर दिया है कि वह चुप नहीं बैठेगा और संकट सुलझाने के लिए अपना विशेष दूत भेजेगा। पश्चिम एशिया बीते कई दिनों से बारूद के ढेर पर खड़ा है। अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच बढ़ती तनातनी ने पूरे क्षेत्र को जंग के मुहाने पर ला दिया है। हालात इतने विस्फोटक हो चुके

हैं कि शांति की कोशिशों के लिए खाड़ी देशों को पहली बार संयुक्त आपात बैठक बुलानी पड़ी, जिसमें संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) भी शामिल हुआ। दूसरी ओर चीन ने साफ संकेत दिया है कि वह इस पूरे मामले में तमाशबीन नहीं रहेगा और मध्यस्थता के लिए अपना विशेष दूत मैदान में उतारेगा। सबसे पहले बात अगर खाड़ी देशों की अहम बैठक की करें तो, यूएई ने इसमें हिस्सा लिया और इस बैठक में यूएई का प्रतिनिधित्व उसके गृह मंत्री ने किया।

रणजीत टाइम्स 07
इंदौर, शुक्रवार 6 मार्च 2026

रेणुका सिंह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट से बाहर

वर्कलोड मैनेजमेंट के कारण आराम दिया, काशवी गौतम को मौका, आज पर्थ में मुकाबला

पर्थ (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट से पहले इंडिया विमेंस ने तेज गेंदबाज रेणुका सिंह को वर्कलोड मैनेजमेंट के कारण आराम दे दिया। उनकी जगह ऑलराउंडर काशवी गौतम को टीम में जगह मिली। काशवी वनडे सीरीज का भी हिस्सा थीं।

लगातार क्रिकेट खेल रही थीं रेणुका

मेडिकल टीम ने बीसीसीआई से कहा कि रेणुका लगातार क्रिकेट खेल रही हैं। विमेंस प्रीमियर लीग के बाद उन्होंने टीम के लिए सभी मैच खेले। फिटनेस और टी-20 वर्ल्ड कप को देखते हुए उन्हें टेस्ट से आराम दे देना चाहिए। बीसीसीआई ने कहा, पर्थ के वाका में होने वाले पिंक-बॉल टेस्ट के लिए रेणुका उपलब्ध नहीं रहेंगी। उनके वर्कलोड को बेहतर मैनेज करने के लिए यह फैसला लिया गया। मेडिकल टीम उनकी फिटनेस पर लगातार नजर रखेगी।

रेणुका ने टी-20 और वनडे सीरीज में पूरे मैच खेले- इंडिया विमेंस फिलहाल ऑस्ट्रेलिया में मल्टी फॉर्मेट सीरीज खेलने के लिए गई हैं। रेणुका ने 3 टी-20 में 4 विकेट लिए, वहीं 3 वनडे में वे 2 विकेट ही अपने नाम कर सकीं।

सीरीज में 8-4 से आगे ऑस्ट्रेलिया- भारत ने टी-20 सीरीज 2-1 से जीती। वनडे सीरीज ऑस्ट्रेलिया ने 3-0 से जीती। ऑस्ट्रेलिया में विमेंस क्रिकेट सीरीज में हर मैच के अलग-अलग पॉइंट्स होते हैं। व्हाइट बॉल मैच जीतने पर 2 पॉइंट्स मिलते हैं। इसलिए ऑस्ट्रेलिया के 8 और भारत के पास 4 पॉइंट्स हैं। अगर भारत ने टेस्ट जीत लिया तो दोनों के 8-8 पॉइंट्स हो जाएंगे और सीरीज ड्रॉ रहेगी। टेस्ट ड्रॉ होने पर दोनों टीमों को 2-2 पॉइंट्स मिलेंगे, ऐसे में ट्रॉफी ऑस्ट्रेलिया के पास चली जाएगी।

इंडिया विमेंस की अपडेटेड टेस्ट टीम- हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्ज, हरलीन देओल, प्रतिका रावल, ऋचा घोष (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर), अमनजोत कौर, स्नेह राणा, सयाली साटघरे, दीप्ति शर्मा, क्रांति गौड़, काशवी गौतम और वैष्णवी शर्मा।

वर्ल्ड चैंपियन गुकेश को ग्रैंडमास्टर अरविंद चिदंबरम ने हराया

● प्राग चेस फेस्टिवल में आखिरी नंबर पर पहुंचे; 19 रेटिंग पॉइंट्स भी कटे

नईदिल्ली (एजेंसी)। वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश को प्राग इंटरनेशनल चेस फेस्टिवल 2026 में भारतीय ग्रैंडमास्टर अरविंद चिदंबरम से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के बाद लाइव चेस रैंकिंग में गुकेश 20वें स्थान पर पहुंच गए। वे टूर्नामेंट में आखिरी नंबर पर चल रहे हैं।

गुकेश 6 राउंड के बाद 3 गेम हारे- दिसंबर 2024 में वर्ल्ड चैंपियन बनने के बाद गुकेश पर लगातार दबाव बना हुआ है। प्राग में चल रहे इस टूर्नामेंट में उनका प्रदर्शन अब तक खास नहीं रहा। टूर्नामेंट में 6 राउंड के बाद वे 3 मुकाबले हार चुके हैं, जबकि बाकी 3 मैच ड्रॉ रहे। खराब प्रदर्शन के कारण उनके 19 रेटिंग पॉइंट्स भी कम हो गए। समय कम होने के कारण तेजी से चाल चलनी पड़ी

मंगलवार को खेले गए मुकाबले में मैच के आखिरी फेज में गुकेश से बड़ी गलती हो गई। समय कम होने के कारण उन्हें 35वीं से 40वीं चाल तक तेजी मूव करना पड़ा।

गुकेश ड्रॉ करा सकते थे मुकाबला

मैच के बाद अरविंद चिदंबरम ने बताया कि 37वीं चाल में 'एफ4' खेलना गुकेश के लिए भारी साबित हुआ। इस चाल से उनके नाइट (घोड़े) को एफ3 और एफ2 जैसी जगहों तक पहुंचने का मौका मिला। अगर उस समय गुकेश रूक (हाथी) डी2 चलते तो मुकाबला ड्रॉ की ओर जा सकता था।

हरियाणा का आयरन मैन अर्जेंटीना में लड़ेगा बड़ी फाइट

● 26 साल छोटे फ्रेंच फाइटर को चुनौती देंगे संग्राम सिंह, 5 अप्रैल को मुकाबला

सोनीपत (एजेंसी)। हरियाणा के दिग्गज एमएमए फाइटर संग्राम सिंह एक बार फिर इतिहास रचने की दहलीज पर खड़े हैं। प्रोफेशनल रेसलिंग से मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स (एमएमए) की दुनिया में कदम रखने वाले संग्राम अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का झंडा बुलंद करने जा रहे हैं।

5 अप्रैल 2026 को अर्जेंटीना के टाइग्रे, ब्यूनस आयर्स में आयोजित होने जा रहे समुराई फाइट हाउस 28 (एसएफएच 28) में संग्राम सिंह मुख्य मुकाबले में उतरेंगे। यह सिर्फ एक फाइट नहीं, बल्कि भारतीय एमएमए इतिहास का वह क्षण होगा जब पहली बार कोई भारतीय फाइटर अर्जेंटीना की धरती पर प्रतिस्पर्धा करेगा। संग्राम सिंह अपनी उम्र से 26 साल छोटे फ्रांस के उभरते हुए फाइटर माटेओ मोंटेइरो के साथ फाइट करेंगे। ऐसा पहली बार हो रहा है कि इतनी ज्यादा उम्र में तेज-तर्रार युवक से संग्राम फाइट करेंगे। 5 अप्रैल 2026 को अर्जेंटीना के टाइग्रे, ब्यूनस आयर्स में आयोजित होने जा रहे समुराई फाइट हाउस 28 (एसएफएच 28) में संग्राम सिंह मुख्य मुकाबले में उतरेंगे।

रोजाना 6 घंटे कर रहे प्रैक्टिस

संग्राम भारतीय और रशियन कोच की निगरानी में रोज 6 घंटे प्रैक्टिस कर रहे हैं। पिछले दिनों संग्राम सिंह पेरिस, थाईलैंड और बाली में ट्रेनिंग शेड्यूल पूरा करके आए थे। खास बात ये है कि हरियाणवी फाइटर शुद्ध शाकाहार पर निर्भर हैं। दूध-घी-चूरमा उनकी डाइट का अहम हिस्सा है। संग्राम सिंह दो बार एमएमए खिताब जीत चुके हैं। इंग्लैंड के पहली बार केज में उतरेंगे।

फाइट विनर को एक करोड़ इनाम

अर्जेंटीना में आयोजित इस फाइट को विनर को प्राइज में लगभग एक करोड़ रुपए मिलेंगे। साथ ही रैंक में सुधार होगा। फाइट के टिकट की कीमत 50 हजार रुपए तक है। उसके बाद टाइटल खेलने के लिए मौका मिलता है। टाइटल के दौरान करोड़ों रुपए मिलते हैं। संग्राम सिंह ने पिछली फाइट 2 नवंबर 2025 को नीदरलैंड में लड़ी और जीती।

फ्रेंच चैलेंजर माटेओ मोंटेइरो से मुकाबला

एसएफएच 28 के मुख्य मुकाबले में संग्राम सिंह का सामना फ्रांस के उभरते हुए फाइटर माटेओ मोंटेइरो से होगा। यह मुकाबला एशिया और यूरोप की प्रतिभा के बीच जोरदार टकराव माना जा रहा है। जहां संग्राम अपने अनुभव और रणनीतिक परिपक्वता के साथ उतरेंगे, वहीं मोंटेइरो युवा जोश और आक्रामकता के दम पर अपनी पहचान मजबूत करना चाहेंगे। खेल से जुड़े एक्सपर्ट कहते हैं कि संग्राम को इस मुकाबले में बेहद सधे हुए अंदाज में उतरना होगा, क्योंकि मामूली गलती भी इस तरह के फाइटर के सामने भारी पड़ सकती है। ये अनुभव बनाम आक्रामकता की टक्कर होगी।

जीतने के लिए जा रहा अर्जेंटीना- संग्राम- अपने तीसरे अंतरराष्ट्रीय एमएमए मुकाबले को लेकर दैनिक भास्कर एप से बातचीत में कहा रेसलिंग और एमएमए अलग दुनिया मानी जाती हैं, मुकाबले के लिए लगातार मेहनत की जा रही है, लेकिन अनुशासन, फिटनेस और योद्धा भावना हर मंच पर काम आती है। उन्होंने कहा कि अर्जेंटीना में वह केवल हिस्सा लेने नहीं, बल्कि जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेंगे।

भैरव बाबा की स्थापना के साथ गृह प्रवेश, भंडारे का आयोजन

रेणु कैथवास | रणजीत टाइम्स

गुरुदेव माँ चौसठ जोगनी की असीम कृपा से पीयूष साहू जी के नए घर में शुभ गृह प्रवेश के साथ भैरव बाबा की स्थापना की गई। इस पावन अवसर पर भंडारे का आयोजन भी रखा गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं गुरुदेव के भक्त शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया और प्रसाद ग्रहण किया। उपस्थित सभी लोगों ने पीयूष साहू जी को नए घर के लिए शुभकामनाएँ देते हुए मंगलमय जीवन की कामना की।

शहडोल पुलिस की होली कंट्रोल रूम में अधिकारियों संग मनाई होली

प्रदीप सिंह बघेल

होली पर्व के दौरान कानून-व्यवस्था की ड्यूटी पूर्ण होने के पश्चात शहडोल पुलिस द्वारा अगले दिन "पुलिस होली" मनाई गई। होली त्यौहार के दौरान जिले में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा निरंतर ड्यूटी की गई।

ड्यूटी के कारण अधिकांश पुलिसकर्मी होली के दिन अपने परिवार के साथ त्यौहार नहीं मना पाए। ड्यूटी समाप्ति के उपरांत पुराना कंट्रोल रूम एवं विभिन्न थाना परिसरों में पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने आपसी सौहार्द एवं भाईचारे के साथ "पुलिस होली" मनाई। इस दौरान सभी ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएँ दीं तथा उत्साहपूर्वक त्यौहार मनाया। कार्यक्रम के माध्यम से पुलिस बल के बीच आपसी समन्वय, भाईचारा एवं सकारात्मक कार्य वातावरण को बढ़ावा दिया गया।

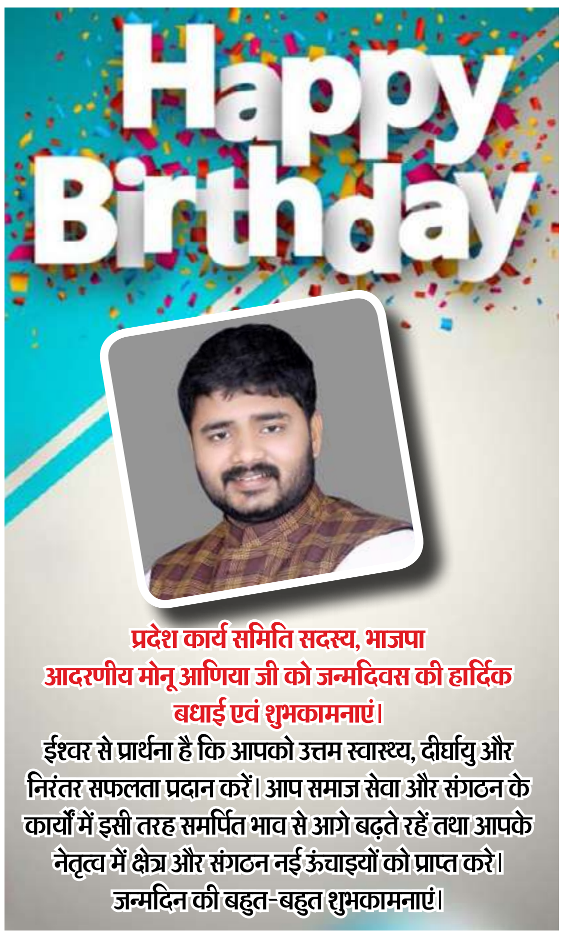

सड़क दुर्घटना संबंधित कैशलेस उपचार योजना को लेकरआज बैठक

इंदौर। प्रधानमंत्री राहत योजना के तहत सड़क दुर्घटनाओं में घायलों को कैशलेस उपचार उपलब्ध कराने की व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए शुक्रवार 6 मार्च 2026 को दोपहर 4 बजे कलेक्टर कार्यालय के कक्ष क्रमांक 210 में एक आवश्यक बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर श्री शिवम वर्मा करेंगे। बैठक में जिले के समस्त शासकीय एवं निजी चिकित्सालयों तथा मेडिकल कॉलेजों के संचालक एवं प्रबंधक उपस्थित रहेंगे। साथ ही पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में शामिल होकर योजना से संबंधित आवश्यक जानकारी और प्रक्रिया के बारे में अवगत कराएंगे। सभी चिकित्सालयों के संचालक और प्रबंधकों से कहा गया है कि वे अपने आयुष्मान मित्र के साथ बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर आवश्यक जानकारी प्रस्तुत करें।